लेकिन इस बार

हां, पहले भी ऐसे-
कई बार हो चुका है।
हर बार वह
एक खण्डहर मकान
कटे हुए पेड़
फटे हुए झण्डे
एक सूख रहे दरिया की तरह वापस गया है।

पहले हर बार-
वह अपना दुख किताबों को सुनाता था
उनसे कुछ ताकत पाता था
इस बार वह
केवल एक पुरानी कविता गुनगुनाता है
एक लम्बी...बहुत लम्बी कविता
दुनिया की सबसे बड़ी नदी जैसी कविता
दुनिया की सबसे ऊंची मीनार जैसी कविता
एक विशाल दीवार जैसी कविता...।
शायद यही कविता उसे बचा रही है
दरिया की ओर बढ़ते रेगिस्तान को पीछे हटा रही है
वरना उसके शरीर से जो बदबू आ रही है
वह तो उसे-
उस गर्त की ओर बढ़ा रही है
जिसका इन्तज़ाम उसी दिन हो गया था
जब उसने अपना पहला कदम
उनकी सुरक्षित दुनिया में बढ़ाया था
और ज़ोर से एक ठहाका लगाया था।

उसने समझा था
वे उसके ठहाके से डरने लगे
यह उसका भ्रम था
दरअसल वे डरने का नाटक करने लगे,
क्योंकि वे उसके चोर मन को जानते थे
रोशनी के शराबी बिम्बों वाली कविता के प्रति
उसके मोह को पहचानते थे
वे जानते थे
कुछ कहने के लिये जब वह अपना मुंह खोलेगा
उसका चोर उसके ख़िलाफ़ बोलेगा।
वे जानते थे-
जिंदा आदमी को किस तरह
गर्त में उतारा जाता है
जो आदमी ज़हर से नहीं मरता
उसे किस तरह मोह से मारा जाता है।

हां, पहले भी ऐसे कई बार हो चुका है
कि वह पराजित लौट कर आया है
लेकिन इस बार...
वह अपने शरीर में
एक मरे हुए मोह की बदबू लाया है

इस बदबू से उसे
अब वही पुरानी अनगढ कविता ही बचायेगी
खुरदुरे हाथों वाली एक श्रमजीवी कविता
जो ऊंची मीनार पर
एक मशाल की तरह जलती है
एक विशाल दीवार पर
मजबूत कदमों से चलती है।

-कुमार विकल

थानेदार ने महिलाओं को दिया चरित्रहीनता का सर्टीफिकेट

फ़रीदाबाद बल्लभगढ़। न जाने किस लालच में पड़ कर अग्रसैन पुलिस चौकी में तैनात एक थानेदार ने मारपीट और महिलाओं के कपड़े फाड़ने वाले आरोपियों को बचाने के लिए न केवल पीड़ित महिलाओं को चरित्रहीनता का सर्टीफिकेट दे डाला, बल्कि इसी क्रम में खाकी को भी दागदार कर दिया। थानेदार ने आरोपियों की चालान रिपोर्ट में लिखा है, उसे जांच में पता चला कि पीड़ित महिला और उसकी बेटियां चरित्रहीन हैं। चालान रिपोर्ट हाथ लगने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस के आला अधिकारियों से कर दी। मामला संज्ञान में आने पर पुलिस अधिकारियों ने आनन फानन में एएसआई का तबादला कर मामले को ठंडा कर दिया। जानकारी के मुताबिक त्रिखा कालोनी में रहने वाली महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि दिवाली वाले दिन वह अपनी तीन बेटियों के साथ घर में मौजूद थी। उसकी एक बेटी घर के बाहर साफ सफाई कर रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला युवक वहां पहुंच गया। युवक उसकी बेटी के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली गलौच करने लगा। शोर सुन कर वह बाहर निकली और विरोध किया तो उस समय वह युवक वहां से चला गया। लेकिन कुछ ही देर में वह युवक अपने साथियों के साथ जबरन उसके घर के अंदर घुस आया। आरोपियों ने आते ही बेटियों के कपड़े फाड़ दिए और उनके साथ अश्लील हरकत करने लगे।

विरोध करने पर आरोपी उसे, उसके पति व बेटे को बुरी तरह पीटने लगे। पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना थाना प्रभारी को फोन पर दी। थाना प्रभारी ने अग्रसैन चौकी के प्रभारी को कार्रवाई करने के आदेश दे दिए। चौकी प्रभारी ने मौके पर एएसआई समय सिंह को भेज दिया। समयसिंह ने पीड़ित महिला और उसके परिवार का मेडिकल करवाने के बाद आईपीसी की धारा 107/ 151 के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर अपना कर्तव्य पूरा कर दिया। जबकि मामले में मारपीट और अश्लील हरकतों के तहत केस बनाना चाहिए था। इतना ही नहीं एएसआई ने न जाने किस लालच में फंस कर पीड़ित महिला व उसकी बेटियों को चरित्रहीनता का सर्टीफिकेट जारी कर दिया। एएसआई ने चालान रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा है कि जन साधारण से पूछताछ करने पर उसे पता चला कि महिला व उसकी बेटियां चरित्रहीन हैं। साथ ही उसने यह भी लिखा है कि पूर्व में महिला के पति ने भी उसे बताया था कि महिला व उसकी बेटियां चरित्रहीन हैं। अब पीड़िता को आश्वासन दिया गया है कि मामले की जांच करवाई जाएगी। दोषी पाए जाने पर एएसआई को निलंबित भी किया जाएगा।

जुआ व सट्टा रोकने में नाकाम साबित हो रही है पुलिस

फरीदाबाद। पुलिस के लाख दांवों के बावजूद एनआईटी इलाका जुआरियों और सट्टेबाजों का गढ़ बनता रहा है। पुलिस की नाक के नीचे शहर में सरेआम धड़ल्ले से जुआ और सट्टेबाजी का धंधा बेखौफ चल रहा है। पुलिस जुआ और सट्टे के चंद मुकदमें दर्ज कर अपना कर्तव्य पूरा कर रही है। पुलिस इस गौरखधंधे पर रोक लगाने में पूरी तरफ असफल साबित हो रही है।

जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों थाना कोतवाली पुलिस ने नीलम बाटा रोड पर स्थित एक होटल में लाखों रुपये दांव पर लगा कर जुआ खेल रहे दर्जनभर जुआरियों को गिर तार किया था। इसी कड़ी में अपराध शाखा बड़खल ने इसी सप्ताह दो अलग अलग स्थानों पर छापे मार कर लाखों रुपये का जुआ पकड़ा है। वहीं दूसरी तरफ डीसीपी एनआईटी के कार्यालय के सामने स्थित पार्क हर रोज बड़े पैमाने पर जुआ खेला जाता है। इस पार्क में जुआ खेलने के लिए शहर के अलावा दिल्ली और पलवल के जुआरी भी आते है। सिर्फ यह पार्क ही नहीं एनएच एक के ए और बी ब्लॉक में जुआ और सट्टे का कारोबार निरंतर चल रहा है। आने वाले दो महीनों में करीब 100 से ज्यादा क्रिकेट मैच आयोजित होने वाले। विश्वासनीय सूत्रों के मुताबिक इन क्रिकेट मैचों के दौरान शहर में भी सट्टे का करोड़ों का कारोबार होने वाला है। एनएच एक व एनएच पांच में एक दर्जन से ज्यादा मैच बुकी शहर के नौजवानों को अपने जाल में फंसाने के लिए अभी से कमर कसे बैठे है। इन क्रिकेट मैचों में मोटा कमाने के चक्कर में बुकी फंटरों को दो की जगह चार प्रतिशत कमीशन देने का लालच दे रहे है। यह बुकी लगातार शहर में सट्टे का धंधा चला कर युवाओं को बर्बाद करने पर तुले हुए है। जिले में जुआ और सट्टे का कारोबार सबसे ज्यादा बड़खल विधानसभा क्षेत्र में पैर पसार रहा है।

करोड़पति मोदी, अरबपति जेटली

एक महाशय देश के प्रधानमंत्री और दूसरे देश के वित्त मंत्री। एक करोड़पति हैं दूसरे अरबपति। ये इनकी निजी सम्पतियां हैं। जो सरकारी खजाना करोड़ों रुपये से इनकी सेवा करता है वह गिनती में कहीं नहीं मतलब बेहतरीन खाना, बेहतरीन आवास, बेहतरीन ढंग से की जाने वाली यात्रायें। ये सब तो इनके द्वारा की गयी देश सेवा व जन सेवा का प्रसाद है।

मोदीजी के रंग-ढंग तो उनके सत्ता संभालते ही सामने आ गये थे। दस लखिया सूट पहना वह भी अपने नाम का। विपक्ष ने हल्ला मचाया तो सूट नीलाम करवा दिया। निलामी के पैसे का क्या हुआ, पता नहीं।

जेटली साहब की सम्पत्ति में वित्तमंत्री बनने के बाद तेज़ी से करोड़ों रुपये जुड़ गये। कैसे जुड़ गये। ठीक-ठीक कोई नहीं बता सकता। वर्ष 2013-14 में उन्हीं के दिये गये आंकड़ों के अनुसार उनकी अकेले की (बीबी की नहीं) सम्पत्ति 75.70 करोड़ रुपया थी। आज उनकी सम्पत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वाह! भाई वाह! ऐसा होता है वित्त मंत्री जी। जो तीन साल में अपनी सम्पत्ति में 25 करोड़ से ज़्यादा जोड़ ले। वैसे जेटली जी आंकड़ों में बाजीगिरी करने में माहिर हैं।

मोदी के मंत्रीमंडल में जेटली के अलावा भी मंत्री हैं। भई! सब ठहरे संघ के लाल। और इनकी सम्पत्ति कईयों की अरबों में है तो कईयों की करोड़ों में। कोई मंत्री, सांसद विधायक क्यों बनता है। सेवा करने के लिये। हां! सेवा तो पहले घर से शुरू होती है।

करोड़पति मोदी और अरबपति जेटली जब रोज-रोज पेट्रोल-डीजल के दाम बढाते हैं जब रोज-रोज गैस की सब्सिडी कम करते हैं तो क्या सोचते हैं? क्या लोगों को फोकटगिरी की आदत डाली हुई खत्म करो। चलो! अम्बानी को दे दो! जिन्होंने चुनाव जीतने में हमारी इतनी मदद की। और मुकेश अम्बानी इनकी कृपा से दुनिया के पहले बीस खरबपतियों में शामिल हैं। और अडाणी अब लड़ाकू हवाई जहाज बनाने के कारखाने खोलने वाले हैं। बढिया है। एयर इण्डिया को बेचो। अम्बानी, अडाणी में से किसी से खरीदवा लो। नयी कम्पनी के शेयर सबसे पहले जेटली जी खरीद लेंगे। इधर कम्पनी चढ़ी उधर जेटली जी की सम्पत्ति बढ़ी, बढ़िया है।

करोड़ों लोगों की हालत पिछले दिनों में पतली हो गयी हो, इससे मोदी, जेटली को क्या। नोटबंदी देश हित में घोषित की गई और देश का हित ऐसा हुआ कि लोग़ों से रोजगार छिन गया। दाने-दाने को मोहताज हो गये पर जेटली जी इसी बीच में अरबपति बन गये। बढ़िया है। क्या वित्तमंत्री, क्या प्रधानमंत्री हैं। पूरा देश गहरे संकट में फ़ंसा है, मोदी जी नये-नये वस्त्र धारण कर रहे हैं। देश की अर्थ व्यवस्था खस्ताहाल है पर वित्तमंत्री माला-माल हैं।

देश के प्रधानमंत्री की तारीफ में पुल बांधने वाले कह रहे हैं कि मोदी से सीखे। नसीहत देश को ही नहीं उनके मंत्रीमण्डल के लोगों को भी दी जा रही है। नसीहत क्या है देखो। मोदी जी के पास कोई कार नहीं है। भला मोदी जी को कार की क्या जरूरत है। जब देश की वायुसेना से लेकर अम्बानी-अडाणी के निजी चार्टर विमान हर समय उपलब्ध हैं।

करोड़ों लोग जिस देश में दो जून की रोटी भी न पा रहे हों वहां करोड़पति प्रधानमंत्री, अरबपति वित्तमंत्री किसी की आंख में न चुभता हो तो ऐसों का कोई क्या करे।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5,**
2. **प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,**
3. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,**
4. **रैंक, 45 नीलम चौक,**
5. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,**
6. **राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,**
7. **हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास ।**
8. **जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207**
9. **स्थानीय अदालतों में : चैम्बर नं. 56-एस.के .जोशी - वकील साहब**